



**कर्मतो सब करते हैं, भग्य परमात्मा देता है**

નોપાલ ■ નિસં

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को प्रशासन अकादमी भोपाल में आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित सिविल सर्विस मीट 2024 के तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि कर्म तो सब लोग करते हैं, भाग्य परमात्मा देता है। आपने इस मार्ग पर चलते हुए न केवल कर्म किया बल्कि भाग्य भी पाया। इसलिए मैं आपको दोनों तरह से बधाई देना चाहता हूँ। इतने बड़े देश में, इतनी बड़ी आबादी में यदि

**21। दिसंबर का बाट एस ए  
शुरुआत**  
सुबह सर्विस मीट की शुरुआत बोट कलब पर बोट  
रेस से होगी। इसके बाद टी20 फुटबॉल, क्रूकिंग  
कॉम्पिटिशन, टी5 क्रिकेट, फन गेम, पैटिंग,  
बैडमिंटन, टेबल टेनिस, पूल, कैरम, बिलियर्ड,  
ब्रिज और अताक्षरी का आयोजन किया जाएगा।  
अरेस कलब में ही डीजे नाइट होगी।

**22। दिसंबर का हांगाय  
कार्यक्रम**  
सुबह साथिलंग के बाद अरेस कलब  
में टांग आफ वॉर, क्रिंज, डम शिराज,  
बैडमिंटन, टेबल टेनिस, पूल,  
बिलियर्ड, ब्रिज का आयोजन किया  
जाएगा। प्राइस डिस्ट्रीब्यूशन के साथ  
सर्विस मीट का समापन होगा।

मालूम था कि जीरो बैलेंस पर अकाउंट खुल सकता है। लेकिन ये चाय वाले को मालूम था। सीएम ने श्रीमद् भागवत का एक दृष्टांत भी सुनाया। सीएम ने कहा कि कर्म तो सब लोग करते हैं, भाग्य परमात्मा देता है। आपने इस मार्ग पर चलते हुए न केवल कर्म किया बल्कि भाग्य भी पाया। इसलिए मैं आपको दोनों तरह से बधाई देना चाहता हूँ। इतने बड़े देश में, इतनी बड़ी आवादी में यदि आईएएस अधिकारियों की संख्या देखी जाए तो नगाय्य है।



भापाल | भापाल में जवाहर चाक स्थित जेन मादिर में शुक्रवार का आखल भारतीय दिग्मंबर जेन युवक-युवती पारचय की स्मारिका विमोचन किया गया ।

संक्षिप्त समाचार

## भेल कर्मचारियों की मांगों को लेकर सीट का ज्ञापन

भोपाल। सीटू यूनियन के महासचिव दीपक गुप्ता के नेतृत्व में बीएचईएल के कर्मचारियों और टेका श्रमिकों ने अपने अधिकारों को लेकर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) बी के सिंह को ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में कर्मचारियों और टेका श्रमिकों की कई महत्वपूर्ण मांगें शामिल थीं। यूनियन के पदाधिकारियों ने घेतावनी दी है कि यदि इन मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की जाती है, तो यूनियन को मजबूतन बड़ा आंदोलन शुरू करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारी और टेका श्रमिकों के अधिकारों के लिए सीटू किसी भी हड तक जा सकती है। ज्ञापन में मुख्य रूप से यूनियन ने नई भर्ती की प्रक्रिया को शुरू करने, अनुकूंपा नियुक्ति की व्यवस्था को पुनः-लागू करने, रात्रि कालीन भर्ते में वृद्धि और टेका श्रमिकों के वेतन को केंद्रीय स्तर का करने की मांग सहित कर्मचारियों के अन्य लंबित मुद्दों पर भी ध्यान देने की अपील की गई। इस अवसर पर यूनियन के अध्यक्ष लोकेंद्र शेखावत, कोषाध्यक्ष शाहिद अली, राजेश रजक, नरेश जादौन, अरविंद राज और विनय सिंह सहित कई कर्मचारी शामिल थे।

## नये साल पर सुरक्षा को लेकर एकशन मोड में पुलिस

भोपाल। नये साल के आगमन के दौरान इन दिनों राजधानी पुलिस आदतन बदमाशों, नशा तस्करों के खिलाफ एकशन मोड में नजर आ रही है। इसी कड़ी में शहर में शांति, सुरक्षा बनाये रखने के लिये न्यायालय पुलिस आयुक्त द्वारा 10 आदतन अपराधियों को शहर से बाहर करने के लिये जिला बदर के आदेश दिये गये हैं। जिला बदर की प्रयत्नों ने बदमाशों में विशाल रात पिता भगवान सिंह (32), शुभम चौहान पिता राजमल चौहान (22) दोनों निवासी थाना शाहपुरा, रोहित सांवरे उर्फ बंटी उर्फ कन्द्री पिता नानेष्वर सांवरे (28), गोविंद शर्मा उर्फ बच्चा पिता पदम प्रसाद (29) दोनों निवासी थाना टीटीनगर, परवेज पिता यारे मियां (39) निवासी थाना हनुमानगंज, पप्पू उर्फ राज राठौर पिता स्व. संजू राठौर (19) निवासी, थाना श्यामतालिल्स, मन्नू उर्फ मनोज पिता लक्ष्मी नारायण (45) निवासी थाना पिपलनी, जयसिंह तोमर उर्फ घमन तोमर पिता रात चिंता (22) चिंता थाना पालसर, और

पिता धन्दा सह ( 22 ) निवासी, थाना शहपुरा, गारव  
 कुचबंदिया ( सौदा ) पिता सरवन कुचबंदिया ( 26 ) निवासी,  
 थाना तलेया, दिलीप पड़ोलिया पिता पन्नालाल पड़ोलिया  
 ( 36 ) निवासी, थाना निशातपुरा के नाम शामिल है।  
 अफसरो का कहना है की जिला बदर किये गये बदमाशो के  
 खिलाफ शहर के अनके थानों में हत्या, बलात्कार, मारपीट,  
 चोरी, छेड़छाड़, शराब तस्करी एवं आर्मस एकत्र समेत अनेक  
 मामले दर्ज होकर न्यायालय में विचाराधीन है। समय-समय  
 पर चलाये गये विशेष अभियान के दौरान उनके खिलाफ  
 प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई है। लेकिन बदमाश  
 लगातार अपराधिक वारदातों में लिप रहे जिसके चलते उनके  
 खिलाफ जिला बदर की कार्यतात्त्वी की गई है।

**नकल रोकने क्लोक्टर गठित  
करेंगे उनदस्ता**

भोपाल। मग्र माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिम) की 10वीं-12वीं की परीक्षाओं का काउंटडाउन शुरू हो गया है। इसके लिए माशिम ने अपनी व्यवस्था में अहम बदलाव किया है। अब हरेक जिले में कलेक्टर ही पलाइंग स्क्राउंड गठित करेंगे। इसके पहले स्कूल शिक्षा विभाग अपने स्तर पर पलाइंग स्क्राउंड (उडन् दस्ता) गठित करता था। लेकिन, अब ऐसा नहीं होगा। अलग-अलग दल के बदले केंद्रीयकृत व्यवस्था रहेगी। इस बार प्रदेश भर में करीब 550 संवेदनशील परीक्षा केंद्र हैं। हर जिले में परीक्षा केंद्रों की संख्या के डिसाब से कलेक्टर जो दल गठित करेंगे, उनकी मॉनिटरिंग माशिम करेगा। इसके तहत टीम लीडर को माशिम द्वारा तैयार किए गए एप में रजिस्टर करना होगा। इसके माध्यम से उनकी ट्रैकिंग की जाएगी। माशिम के सर्वर में यह जानकारी रहेगी कि कौन सा दल किस परीक्षा केंद्र में गया है।

# एसजीएसयू में कौशल विकास और गांधी दर्शन पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

# आर के डी एफ कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा राष्ट्रीय गणित सप्ताह का आयोजन

## फिटजी कौचिंग के संचालक समेत 4 के खिलाफ धोखाधड़ी की दसरी एफआईआर दर्जा

डेढ़ करोड़ से अधिक फीस वसूल कर चंपत हुए हैं आरोपी



इंडौर में भी हो चुकी है  
शिक्षायत  
गैरतलब है की पूर्व में प्रदेश के इन  
परीक्षा की तैयारी कराने वाली फीटी  
खिलाफ यहाँ पढ़ने वाले स्टूडेंट्स वे  
कलेक्टर से इसी तरह की शिक्षायत  
इंडौर में फीटीजी के तीन कोचिंग सें  
वाले करीब 200 से अधिक स्टूडेंट्स  
की फीस वसूली के बाद फैक्टरी व  
लेकर कोचिंग सेंटर्स को अचानक  
गया। जो जानकारी सामने आई है,  
अनुसार कई टीचर्स सैलरी न मिल  
छोड़ दिये हैं।

गोयल, सीईओ मनीष आनंद, सीएफओ राजीव बब्बर और सुमित श्रीवास्तव के खिलाफ मामला कायम कर लिया है। जानकारी के अनुसार फिटजी की भोपाल ब्रांच में करीब 700 स्टूडेंट्स के एडमिशन हैं। हर स्टूडेंट डेढ़ से 3 लाख की फीस ली जाती है। बीते शनिवार को फिटजी कोविंग के दो दर्जन से अधिक स्टूडेंट्स और उनके अभिभावकों ने इसे लेकर हंगामा करते हुए

# **एमपी नगर थाने में शिकायत की थी।**

## **काकरण में घोर लापरवाही**

## **पोर्ट में खुली प्रदेश**

## **परस्था की पोल**

A photograph showing a pregnant woman in a brown sweater and a blue surgical mask. She is leaning forward, and a doctor in a white medical coat and a blue surgical mask is holding a stethoscope against her pregnant belly. The background is a clinical setting.



सीजेरियन प्रसव की सुविधा ही नहीं  
नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट के  
अनुसार पांच वर्षों में 93,88,000 गर्भवती  
महिलाओं का पंजीयन हुआ। लेकिन 21,85,000  
महिलाओं की प्रसव पूर्व चारों जांचे नहीं हुई। रिपोर्ट  
के अनुसार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं का  
आकलन इसी से लगाया जा सकता है कि 20 में से  
17 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सीजेरियन प्रसव  
की सुविधा ही नहीं है। वहीं एक हजार में से 41  
बच्चे अपना पहला जन्मदिन नहीं मना पाते हैं। वर्ष  
2011 की जनगणना के अनुसार प्रदेश ग्रामीण  
क्षेत्रों में 48 प्रतिशत तक कम अस्पताल हैं। 2022  
की अनुमानित जनसंख्या के मापदंड से  
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), 604 होने  
चाहिए, पर 355 हैं। प्रश्निक स्वास्थ्य केंद्र 1257  
और उप स्वास्थ्य केंद्र 10 हजार 225 हैं।  
में पंजीकृत हुई। इसी प्रकार 21 लाख 85  
हजार महिलाओं की प्रसव पूर्व चारों जांचें

## हाईस्कूल शिक्षक भर्ती पर हाईकोर्ट की रोक

### अदालत ने कहा- 3 हफ्ते में नियम सुधारे राज्य सरकार 6000 पद भरे जाने हैं

**મોટાલ ■ નિસ્યા** ભર્તી પ્રક્રિયા ઇસલિએ વિવાદો માં આઈ

दरअसल, हाईकूल शिक्षक भर्ती में उम्मीदवारों के सेकेंड डिवीजन क्राईरिया को लेकर बड़ा विरोधभास था। शिक्षा विभाग ने 448 ऐसे उम्मीदवारों को सेकेंड डिवीजन मानकर भर्ती किया है, जिनके ग्रेजुएशन में मार्कर्स 45 से 50 प्रतिशत के अंदर हैं। दूसरी तरफ ऐसे कई उम्मीदवार हैं, जिन्हें थर्ड डिवीजन मानकर भर्ती

नहीं किया गया है, जबकि ग्रेजुएशन में उनके भी मार्क्स 45 से 50 प्रतिशत के बीच थे।

बनाए। नेशनल काउंसिल फॉर टीचर्स एजुकेशन (एनसीटीई) के नियमों के मुताबिक, उम्मीदवारों की एलिजिबिलिटी ग्रेजुएशन में सेकेंड डिवीजन तय की गई थी, लेकिन कई यूनिवर्सिटी 45 से 50 प्रतिशत अंक लाने वालों को सेकेंड डिवीजन, तो कई



अनमोल वचन

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है।  
- चाणक्य  
आशा कभी आपको छोड़कर नहीं जाती है, आप इसे छोड़ते हैं।  
- जॉर्ज बीनवर्ग

# सम्पादकीय

**समय का इंतज़ार करें आत्महत्या ना करें**

हाल ही में बेंगलुरु के एक एआई इंजीनियर अतुल सुभाष ने आत्महत्या कर ली और सुसाईड नोट में अपनी पत्नी और ससुराल वाले व जज को भी अपनी मौत का जिम्मेवार बताया है आज लोग ऐ जान गए कि आखिर पत्नी से सही में बहुत परेशान था क्योंकि मरने से महले कोई झूठ नहीं बोलता है अतः कुछ पत्नी पति को लूटने का काम कर रही है जिससे सावधान होने की जरूरत है इसका सबसे बड़ा दर्द उसके बूढ़े माता पिता को हो रहा है। बेंगलुरु के एआई इंजीनियर अतुल सुभाष की मां बस अपने बेटे को याद कर रही हैं और बहुत सी बातें बड़वडा रही हैं। उनसे बेटे का जाना सहन नहीं हो रहा है। उनका कहना है, मेरे बच्चे को बहुत टार्चर किया गया है, मेरे बुद्धापे का सहारा चला गया। आत्महत्या की वजह क्या होती है इसे जानना जरूरी है दरअसल जब या तो निराशा हाथ लगती है या किसी व्यक्ति का बार बार शोषण करना यह कोई जरूरी नहीं है कि शादी शुदा व्यक्ति के साथ होता हो ऐ इज्जत को किसी के कारण बार बार बेइज्जती करने या किसी को बार बार परेशान करने से आदमी में इतना गुस्सा आता है कि खून का घूंट पीने से अच्छा मर जाना अच्छा समझता हो लेकिन आत्महत्या कराने पर मजबूर करने पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करना जरूरी है इस नर या नारी के दृश्टिकोण से नहीं बल्कि मानवता की दृश्टिकोण से न्यायालय को देखना चाहिए मुझे याद आता है वो दिन जब मैं 2006 में अपने बॉस श्रीमती शैलजा मैडम से काफी परेशान हो गया और मैं हिंदी बोलने वाला आदमी वह जानबूझकर इंग्लिश बोलकर मेरा मज़ाक उड़ाती थी आत्महत्या करने की इच्छा उस समय

# मोहन सरकार की रीजनल इंवेस्टर्स समिट का एक साल में ही दिखने लगा असर, निवेशकों को भाने लगा मध्यप्रदेश

क्षेत्रीय स्तर पर नवेश को बढ़ावा देने की दिशा में प्रदेश के विभिन्न संभागों में आयोजित हुई रीजनल इंवेस्टर्स समिट के परिणाम सुखद रहे हैं। इस नीति का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा देना, रोजगार सृजन करना रहा। प्रदेश सरकार ने इस नीति के माध्यम से निवेशकों को विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन, सुविधाएं और समर्थन दिया है जिससे राज्य में बड़े पैमाने पर औद्योगिक समूहों ने निवेश में रुचि दिखाई है। मोहन सरकार की रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव नीति का असर एक साल में ही दिखने लगा है और निवेशकों का रुझान मध्यप्रदेश की तरफ तेजी से बढ़ता जा रहा है।

मोहन सरकार की रीजनल इंवेस्टर्स समिट की पहल के चलते मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने और व्यापार करना सुलभ और सरल हो गया है। एक साल के छोटे से कार्यकाल में मोहन सरकार की बेहतर औद्योगिक नीतियों, बुनियादी सुविधाओं और बेहतर कनेक्टिविटी ने प्रदेश में क्षेत्रीय स्तर पर न केवल इंडस्ट्री के लिए नई राह खोल दी है बल्कि इसने स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की संभावनाओं को तेजी से बढ़ाने का काम किया है। प्रदेश में औद्योगिक निवेश को गति प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश में संभाग स्तर पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की शृंखलाएं आयोजित करने की नई पहल शुरू हुई जिसका प्रदेश स्तर पर बेहतरीन प्रतिसाद मिला है।

क्षेत्रीय स्तर पर निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में प्रदेश के विभिन्न संभागों में आयोजित हुई रीजनल इंवेस्टर्स समिट के परिणाम सुखद रहे हैं। इस नीति का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा देना, रोजगार सृजन करना रहा। प्रदेश सरकार ने इस नीति के माध्यम से निवेशकों को विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन, सुविधाएं और समर्थन दिया है जिससे राज्य में बड़े पैमाने पर औद्योगिक समूहों ने निवेश में रुचि दिखाई है। मोहन सरकार की रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव नीति का असर एक साल में ही दिखने लगा है और निवेशकों का रुझान मध्यप्रदेश की तरफ तेजी से बढ़ता जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन के लिए लागू की गई नीतियों और व्यवस्थाओं के प्रति उद्योगपति और निवेशक विश्वास जता रहे हैं। तमाम औद्योगिक समूहों और निवेशकों ने बड़े पैमाने पर मध्यप्रदेश सरकार की रीजनल इंवेस्टर्स समिट की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। मोहन सरकार की नीति राज्य में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए बनाई गई जिसके एक साल में ही

रिणाम सामने आ रहे हैं जो दिखाता है कि निवेशक अब श को निवेश के लिए एक बेहतर विकल्प मान रहे हैं। मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने की बाद पहली रीजनल समिट मार्च में उज्जैन में आयोजित हुई जिसके माध्यम जार करोड़ के निवेश प्रस्ताव सरकार को मिले। इसी जबलपुर में 22 हजार करोड़ से ज्यादा निवेश प्रस्ताव प्राप्त लियर समिट के दौरान कुल 8,000 करोड़ से अधिक के प्रस्ताव मिले। सागर में आयोजित रीजनल इंवेस्टर्स 23181 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। रीवा में 15 दौरान कुल 31,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्राप्त हुए। इसके बाद नर्मदापुरम में रीजनल इंवेस्टर्स 1 राज्य को 31,800 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्राप्त हुए। शहडोल में रीजनल इंवेस्टर्स समिट 2025 में है जिसके लिए भी निवेशकों की ओर से बड़ी संख्या व आने लगे हैं।

प्रकार अब तक राज्य में हुई रीजनल इंवेस्टर्स समिट में 10 दो लाख 15 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव। राज्य सरकार की औद्योगिक नीतियां न केवल इनमें को आकर्षित कर रही हैं, बल्कि प्रदेश के सभी जिलों में के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध करा रही मंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश अब तक विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इन प्रयासों से में औद्योगिक निवेश की गति काफी तेज हो चुकी है। कनेक्टिविटी, नीतियों और उद्योग-अनुकूल चनाओं से मध्यप्रदेश आज निवेशकों की सबसे पहली न गया है। ऐसे समन्वित प्रयासों से क्षेत्र एवं आसपास के इनको प्रोत्साहन मिलेगा साथ ही प्रदेश का समान रूप से होगा और बढ़े पैमाने पर रोजगार का सृजन होगा।

म डॉ. यादव ने बीते दिनों लंदन में शीर्ष व्यवसायियों और निवेशकों से मुलाकू स्थापित करने के लिए द यात्रा के दौरान बहाव बेसीकांडक्टर, नवकरण अन्य क्षेत्र में निवेश के करोड़ रुपये के निवेश सर्विस सहित अन्य क्षेत्रों और औद्योगिक हब्स व तकनीक लाने के लिए भोपाल में ग्लोबल इंवेश निवेशक आएंगे।

मध्यप्रदेश का निवेश राज्य सरकार प्रदेश को का प्रयास कर रही है। म के साथ ही अब प्रदेश बनी है। निवेश प्रक्रिया प्रणाली यहाँ बेहतर ढंग औद्योगिक निवेश को ब किया है। आज यहाँ उत्पादक संगठनों, क उद्यमियों के स्टार्टअप उद्योग क्षेत्र के लिये वर्ष का प्रावधान रखा है। न साथ सरल और सुगम उद्योगों को बढ़ावा देने इन्वेस्टर्स फैसिलिटेश प्रदेश सरकार प्रदेश में करने के लिए लगातार को निवेश वर्ष के तौर प

कात की जहां उन्होंने मध्यप्रदेश में उद्योग कई आकर्षक योजनाएं प्रस्तुत की लैंडिन निवेशकों ने मध्य प्रदेश में आईटी, योग ऊर्जा, खनन, खाद्य प्रसंस्करण सहित लिए रुचि दिखाई है। लगभग 60 हजार प्रस्ताव चिकित्सा, उद्योग, माइनिंग, में मिले हैं। जर्मनी में उन्होंने तकनीकी दौरा किया और राज्य में अत्याधुनिक समझौते किए। दो माह बाद राजधानी स्टर्स समिट के दौरान ये सभी विदेश के ग का परिदृश्य अब तेजी से बदल रहा है। औद्योगिक हव के रूप में विकसित करने मध्यप्रदेश में औद्योगिक परिदृश्य बदलने से विदेशी निर्यात की अपार संभावनाएं को सरल बनाने के लिए सिंगल विंडो से काम कर रही है। मोहन सरकार ने गढ़वा देने के लिए पर्याप्त बजट आवंटित पर छोटे और मध्यम उद्यम, किसान लाकरों के हस्तशिल्प प्रोडक्ट और को सहयोग दिया जा रहा है। सरकार ने 2024-25 में 4 हजार 190 करोड़ रुपए ये निवेशकों को उद्योग मित्र नीतियों के निवेश प्रक्रिया सुनिश्चित की जा रही है। ने के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिले में न सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। मध्य उद्यमियों और निवेशकों को आकर्षित प्रयास कर रही है। सरकार ने वर्ष 2025 तक प्लान किया है।

# विश्व ध्यान दिवस

# आत्म-साक्षात्कार और विश्व शांति की ओरएक कदम

**- डॉ नीलम महंद्र**

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 दिसंबर से विश्व ध्यानदिवस मनाने की घोषणा एक ऐतिहासिक कदम है। दरअसल मेडिटेशन याध्यान को सदियों से केवल आध्यात्म से जोड़ कर देखा जाता था। लेकिन आज विज्ञान ने यहसिद्ध कर दिया है कि मेडिटेशन का सकारात्मक प्रभाव केवल मानव के मन या मस्तिष्क हीनहीं उसके तन पर भी पड़ता है। इसलिए 21 जून को योग दिवस मनाए जाने के बाद सम्पूर्ण विश्व में अब 21 दिसंबर को ध्यान दिवस केरूप में मनाने का उद्देश्य योग की ही भाँति ध्यान को जन-जन तक पहुंचाना और इसे मानव जीवन के अभिन्न अंग के रूप में स्थापित करके एक स्वरूप विश्व की नींव मजबूत करना है। वस्तुतः वर्तमान युग में जब मनुष्य तेजी से भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवन जीने के लिए विवश है, ध्यान उसके मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को संतुलित करने का एक सहज, सरल प्राकृतिक साधन बन गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मानसिक स्वास्थ्य सेजुड़ी समस्याएं आज वैशिक स्तर पर प्रमुख स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बन गई हैं। वर्ष 2023 के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 280 मिलियन लोग मानसिक रूपसे पीड़ित हैं और 40 ल युवा तनाव और मानसिक अस्थिरता का सामना कर रहे हैं। खास बात यह है कि ध्यान, एक साधारण लेकिन शक्तिशाली प्रक्रिया, इन समस्याओं का प्रभावी समाधान प्रदान कर सकती है। अध्ययनों ने यह सिद्ध किया है कि ध्यान मस्तिष्क में डोपामाइन और सेरोटोनिन जैसे सकारात्मक रसायनों के स्तर को बढ़ाता है, जो तनाव को कम करते हैं और मूड को स्थिर रखते हैं। हावर्ड मेडिकल स्कूल द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, केवल आठ सप्ताह के ध्यान अभ्यास से मस्तिष्क के ग्रे मैटर में वृद्धि देखी गई, जो सीखने, यादाशत और भावनात्मक विनियमन में सहायक है। इस प्रकार विभिन्न शोधों में यह बात वैज्ञानिक आधार पर सिद्ध हो चुकी है कि ध्यान केवल मनुष्य की आध्यात्मिक उन्नति का साधन नहीं है, बल्कि नियमित रूप से इसका अभ्यास उसके जीवन के हर पहलू को समृद्ध कर सकता है। ध्यान के वैज्ञानिक आधारों को समझने के लिए

केए गए शोधों पर ध्यान देना आवश्यक है। नवरस्सीटी में किए गए एक अन्यअध्ययन में कि नियमित ध्यान मस्तिष्क के अभिगड़ाला (तनाव काकेंद्र है) की गतिविधि को कम तरसे व्यक्ति तनावपूर्ण स्थितियों में भी शांत बना रहता है। ध्यान के इन वैज्ञानिक लाभों न्न चिकित्साक्षेत्रों में लागू किया जा रहा है। न और स्वास्थ्य केंद्र अब ध्यान को अध्ययन का हिस्सा बना रहे हैं। केंसर, उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों से पीड़ित ध्यान को सहायक चिकित्सा के रूप में या जा रहा है। जर्नल ऑफ़क्लिनिकल प्रकाशित एक अध्ययन में यह पाया गया केवल मरीजों के दर्द की अनुभूति कम होती है। इलाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण भी है।

प्रभाव केवल मानसिक स्वास्थ्य तक ही शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान के प्रभाव को कर रूप से स्वीकार किया जारहा है। एक नुसार, ध्यान नियमित रूप से करने से हृदय रक्तचाप कोनियत्रित करने में मदद मिलती है। रोगों का जोखिम 30 तक कम हो सकता है, ध्यान प्रतिरक्षा प्रणालीको भी मजबूत तरीके से शरीर बीमारियों से लड़ने में अधिक सक्षम ही नहीं रिसर्च में यह बत भी सामने आई है। भाव केवल व्यक्तिगत स्तर पर सीमित नहीं क व्यक्ति ध्यान करता है, तो वह अपनी को सकारात्मक दिशा में कोंद्रित करता है, उसके आस-पास के वातावरण पर भी इ अध्ययनोंने यह साबित किया है कि ध्यान के दौरान अपराध दर में गिरावट, हार्ड मेंवृद्धि और पर्यावरणीय सामंजस्य जैसे विरतन देखे गए हैं। 1993 में वाशिंगटन गए एक शोध में पाया गया कि सामूहिक न शहर में अपराध दर में 23 प्रतिशत की

- सत्

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु और विकास के एक वर्ष का कार्यक्रम नीतियों और योजनाओं का नगरीय को मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णु पारदर्शिता और जवाबदेही लाने पर सरकारी सेवाओं को डिजिटल रूप बनाया गया। भ्रष्टाचार पर रोक-टॉलिए सख्त कदम उठाए गए। जमीनों पर उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों से पीड़ित ध्यान को सहायक चिकित्सा के रूप में या जा रहा है। जर्नल ऑफ़क्लिनिकल प्रकाशित एक अध्ययन में यह पाया गया कि वैकल्पिक रूप से अनुभूति कम होती है। इलाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण भी है।

प्रभाव केवल मानसिक स्वास्थ्य तक ही शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान के प्रभाव को कर रूप से स्वीकार किया जारहा है। एक नुसार, ध्यान नियमित रूप से करने से हृदय रक्तचाप कोनियत्रित करने में मदद मिलती है। रोगों का जोखिम 30 तक कम हो सकता है, ध्यान प्रतिरक्षा प्रणालीको भी मजबूत तरीके से शरीर बीमारियों से लड़ने में अधिक सक्षम ही नहीं रिसर्च में यह बत भी सामने आई है। भाव केवल व्यक्तिगत स्तर पर सीमित नहीं क व्यक्ति ध्यान करता है, तो वह अपनी को सकारात्मक दिशा में कोंद्रित करता है, उसके आस-पास के वातावरण पर भी इ अध्ययनोंने यह साबित किया है कि ध्यान के दौरान अपराध दर में गिरावट, हार्ड मेंवृद्धि और पर्यावरणीय सामंजस्य जैसे विरतन देखे गए हैं। 1993 में वाशिंगटन गए एक शोध में पाया गया कि सामूहिक न शहर में अपराध दर में 23 प्रतिशत की

**सुशासन का एक साल, नगरीय  
निकाय चुनावों में बदलाव की बयान**

य प्रकाश दुबे  
देव साय के नेतृत्व में राज्य ने सुशासन  
र्यकाल पूरा किया । उनकी सरकार की  
य निकाय चुनावों पर स्पष्ट प्रभाव देखने  
देव साय ने सरकारी प्रक्रियाओं में  
र जोर दिया है । ई-गवर्नेंस का विस्तार-  
माध्यम से आम जनता के लिए सुगम  
तोक सेवाओं में भ्रष्टाचार को रोकने के  
नसंवाद कार्यक्रम जन चौपाल और  
मों के माध्यम से जनता की समस्याओं  
र्ट सिटी परियोजनाएं रायपुर और  
ओं और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का  
सड़कों, जलाधारि परियोजनाओं और  
ध्यान दिया गया स्वच्छता अभियान-  
नए मील के पथर स्थापित किए ।  
हाईटक लाइब्रेरी और कौशल विकास  
युवाओं को रोजगार प्रदान करने के  
ए । सरकारी भर्तियों में तेजी, नौकरियों  
तेज किया गया । स्वरोजगार योजनाएं  
वसर प्रदान करने के लिए ऋण और  
प्राप्त योषण कार्यक्रम शहरी क्षेत्रों में  
कर पोषण अभियान को मजबूत किया  
व गांधी किसान न्याय योजना किसानों  
हुंचाई गई । राशन कार्ड योजना- गरीब  
तरण को सुचारू बनाया गया ।  
बजली, पानी और स्वच्छता सेवाओं में  
प्रत्मक प्रभाव डाला । महिलाओं और  
नाओं ने मतदाताओं का द्वाक्वाव भाजपा  
लिए बढ़त- भाजपा ने विकास और  
वी चुनाव प्रचार किया । युवाओं और  
प्रौढ़ रोजगार से संबंधित योजनाओं ने  
हेता सुरक्षा और सशक्तिकरण से जुड़ी  
जबूत की । सामाजिक योजनाओं का  
लिए योजनाओं ने सत्तारूढ़ दल के

खास बात

## सपा-टीएमसी ने याद दिलाई जयचंद्रों की

लेकिन यह सुनिश्चित करना कि आपके पास शांति का भंडार है, आपको हमेशा आत्मविश्वासी और बेफिक्र बनाए रखेगा। मन की एक साफ और शुद्ध स्थिति सभी सकारात्मक विचारों को उत्पन्न करने में सक्षम है। मन से अव्यवस्था को दूर करने से आपको शांत और शांत रहना आसान हो जाएगा।

त्रिंतज-मुद्दन

ਕਟਿਜ ਕਾਮ

एक लड़का महात्मा के पास पहुंचा । लड़का बड़ा शैतान था, उसको देखते ही महात्मा ने भांप लिया । इसलिए मनोवैज्ञानिक ढंग से प्रतिबोध देने के लिए महात्मा बोले- बच्चे ! तुम तो बड़े तेज दिखाई देते हो । वह अपनी प्रशंसा सुनकर खुश हुआ और कहने लगा - स्कूल में सब लड़के मुझसे डरते हैं । महात्मा- अच्छा, तुम सरल काम करना चाहते हो या कठिन? लड़का- मैं कठिन से कठिन काम करना चाहता हूँ । महात्मा- तुम्हें कोई गाली दे तो तुम क्या करोगे? लड़का- मुझे कोई एक गाली देगा तो उसको दस गाली सुनाऊंगा ।

महात्मा- ऐसा करना सरल है या कठिन? लड़का- महात्माजी! यह तो मैं बड़ी आसानी से कर लेता हूं। महात्मा- तुम तो तेज लड़के हो, ऐसा सरल काम क्यों करते हो? लड़का कुछ सकुचाता हुआ बोला- अच्छा, आज से मैं कठिन काम करूंगा। महात्मा- गाली सहना बहुत कठिन है। गाली सुनकर गाली देने वाले बहुत मिलेंगे, पर उस समय खामोश रहने वाले विरले ही होते हैं। लड़का- महात्मा जी! जैसा आपने कहा है, मैं वैसा ही कठिन काम करूंगा। लड़का महात्माजी को वचन देकर आगे चला तो उसे एक दोस्त मिला। उसने एक कंकर उस पर फेंका। वह बालक तिलमिला गया। इतने मैं उसे महात्मा के शब्द याद आ गए। वह शांत खड़ा रहा। सामने वाला बच्चा यह देखकर दंग रह गया। वह बोला- भैया! मैंने अच्छा नहीं किया, क्षमा करना। ऐसा सुनकर उसने संकल्प कर लिया कि

अमीरा कारोबारी गौतम अडानी को लेकर कांग्रेस ने काम रोको प्रस्ताव सदन में प्रस्तुत किया था। इस प्रस्ताव पर सदन में चर्चा ना हो। इसके लिए कारोबारी गौतम अडानी ने इंडिया गटबंधन के प्रमुख दलों के जयचंद्रों को खोजकर कांग्रेस के खिलाफ खड़ा कर दिया। ममता बनर्जी ने इंडिया गटबंधन के नेतृत्व करने की मांग कर इंडिया गटबंधन और कांग्रेस से अपनी दूरीयां बनाईं वहीं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संभल वाले मामले को लेकर इंडिया गटबंधन और कांग्रेस से दूरी बनाकर अपने आप को एकसपोन्ज कर दिया है। किसी के अपी काम रोको प्रस्ताव पर चर्चा नहीं हुई। इन दोनों पार्टियों ने कांग्रेस और इंडिया गटबंधन के उपर्योग को पंचर करने का काम किया। जिसके कारण सारे देश में टीएमसी और सपा की धू-धू हो रही है। देश में दोनों पार्टियों की यह छवि बन गई है। दोनों पार्टियों अडानी की जलबी का लिएगी पी गई है।

जानता है, इस बिल का पास कराने के लिए उसके पास बहुमत नहीं है।

## महाकुंभ में जाने वाले श्रद्धालुओं को मुफ्त ट्रेन यात्रा की सौगत

प्रयागराज में महाकुंभ आयोजित हो रहा है। इसमें जो श्रद्धालु शामिल होंगे, उसमें जनरल वलास में सफर करने वालों के लिए रेलवे ने मुफ्त यात्रा की व्यवस्था कर दी है। 145 करोड़ लोगों के महाकुंभ में पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। रेलवे इसके लिए रेप्लेशन ट्रेन चला रहा है। ज्यादा से ज्यादा सामान्य श्रेणी के रेलवे कोष महाकुंभ में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए लगाए जा रहे हैं। रेलवे मुफ्त यात्रा की सौगत देंगी। प्रयागराज से आने वाली और जाने वाली ट्रेनों में टिकट की कोड योकिंग, रेलवे स्टेशनों में नहीं होगी। रेलवे का कहना है, कि इनती बड़ी संख्या में हम टिकट दे ही नहीं सकते हैं। इसलिए जनरल श्रेणी के यात्रियों को बिना टिकट सफर करने की सौगत देंगी।

## ईवीएम का मुद्दा ठंडा पड़ा?

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को लेकर इंडिया गढ़बंधन के सहयोगी दल बंट गए हैं। जिसके कारण ईवीएम का मुद्दा अब ठंडा पड़ गया है। टीवीएमरा ने खुलकर कह दिया है, ईवीएम कोई मुद्दा नहीं है। चुनाव आयोग को लेकर विपक्ष में जो नाराजगी थी। अब वह देखने को अब नहीं मिल रही है। हालांकि भाजपा को लोह पुरुष लालकृष्ण आडवाणी ने ईवीएम से चुनाव नहीं कराने की मांग की थी। भाजपा सांसद जीवी नरसिंह राव ने एक किंतव भी लिखी थी।

जनता का ध्यान भटकाने के लिए एक साथ चुनाव? देश के राजनीतिक दलों का कहना है, सरकार मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए लोकसभा और विधानसभा का चुनाव एक साथ कराने का बिल लेकर आई है। अदानी मुद्दे और दूसरे मामलों में सरकार चर्चा नहीं करना चाहती थी। जिसके कारण संविधान के 75 साल पूरे होने पर संविधान की चर्चा कराके ध्यान भटकाया गया। उसके बाद एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर ध्यान भटकाया जा रहा है। महाराष्ट्र, बेरोजगारी और किसानों के आंदोलन से बचने के लिए

सरकार अधर म हाथ पर मार रहा ह। इसबल का जपासा म भज दिया ह। बल एसा हा

## राशि

शुभ संवत 2081, शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, पौष  
कृष्ण पक्ष, हेमंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पश्चिम  
तिथि छठवी शनिवारसे 17/01 पूर्वफाल्युनी नक्षत्रे  
60/00 प्रीत योगे 33/43 वर्णिक करणे 17/01 सिंह की  
चंद्रमा भद्रा 16/1 सांयन मकरे भानु 45/13 उत्तरकर्म  
मुहूर्त तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी, संपूर्ण  
रात्रि दिन।

**आज जन्म लिए बालक का फल**

आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, कुशल  
शासक, प्रशासक, स्वाभिमानी, वक्ता, प्रवक्ता,  
विधायक, मंत्रीराज, मंत्री, कम्प्यूटर इंजीनियर  
ऑपरेटर तथा बैंक कर्मचारी तथा बैंक मे कार्य करने

मेन होगा।

**मेष राशि :** हर्ष या  
गृह कलह तथा मानसिक  
वृष्ट राशि : विरोध  
तथा लेखन कार्य में सफल

**मिथुन राशि :** व्याप  
व्यापार की स्थिति कभी  
कर्क राशि : शरीर  
सफलता का दिन सावित

**सिंह राशि :** वाहन व  
कार्य में व्यवधान होगा, प्र

**कन्या राशि :** व्यय

समय बदला,

शुभ संवत 2081, शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, पौष कृष्ण पक्ष, हेमंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय परिचम तिथि छठवी शनिवासरे 17/01 पूर्वाफालुनी नक्षत्रे 60/00 प्रीत योगे 33/43 वर्णिक करणे 17/01 सिंह की चंद्रमा भद्रा 16/1 सांयन मकरे भानु 45/13 उत्तरकर्म मुहूर्त तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी, संपूर्ण रात्रि दिन।

### आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, कुशल शासक, प्रशासक, स्वाभिमानी, वक्ता, प्रवक्ता, विधायक, मंत्रीराज, मंत्री, कम्प्यूटर इंजीनियर औपरेटर तथा बैंक कर्मचारी तथा बैंक मे कार्य करने मेन होगा।

**मेष राशि :** हृष्ण यात्रा गृह कलह तथा मानसिक वृष राशि : विरोध तथा लेखन कार्य में सफल।

**मिथुन राशि :** व्यापार की स्थिति कभी सफलता का दिन साक्षित राशि : शरीर सफलता का दिन साक्षित राशि : वाहन कार्य में व्यवधान होगा, कन्या राशि : व्यय

**तुला राशि :** रोग भय, सुख, यात्रा व्यापार में सुधार होगा, रुके कार्य अवश्य बन जाएंगे।

**वृश्चिक राशि :** कार्य सिद्ध, लाभ विरोध, भूमि लाभ राज व शासकीय कार्य में व्यवस्था बनी रहेगी।

**धनु राशि :** लाभ धर्म में रुचि, यश, हर्ष, यात्रा, शिक्षा जगत की स्थिति सामान्य बनी रहेगी।

**मकर राशि :** विरोध, व्यापार में हानि, शरीर कष्ट, धार्मिक खर्च होगा, रुके कार्य बनेंगे।

**कुंभ राशि :** लाभ, हानि, व्यय, प्रभाव रोग, भय, विरोधी असफल होने, सजग रहे।

**मीन राशि :** राजभय, मान भय, चोर भय, राजकार्य में विलंब, परेशानी, तकरार विरोध होगा।

शान	कुंभ में	मध्यम 16.50 बजे से	कल्पराम संवत् 19/2949 123
राहु	मीन में	कक्ष 19.04 बजे से	सुषिं ग्रहार्थं भवंत् 1955885123
केतु	कन्या में	सिंह 21.20 बजे से	बीरनीवार्णं संवत् 2551
राहुकाल	कन्या	23.32 बजे से	हिंजरी सन् 1446
9.00 से 10.30	तुला 01.42 बजे से	महीना जमादि उसानों तारीख 18	
बजे तक	वृश्चिक 03.57 ब.से	विशेष वर्ष का सबसे छोटा दिन।	
दिन का घौषिङ्गया			रात का घौषिङ्गया
काल 05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ 05.37 से 07.10 बजे तक		
शुभ 07.23 से 08.51 बजे तक	उद्ग्रह 07.10 से 08.42 बजे तक		
रोग 08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ 08.42 से 10.14 बजे तक		
उद्ग्रह 10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत 10.14 से 11.47 बजे तक		
चर 11.46 से 01.14 बजे तक	चर 11.47 से 01.19 बजे तक		
लाभ 01.14 से 02.42 बजे तक	रोग 01.19 से 02.51 बजे तक		
अमृत 02.42 से 04.10 बजे तक	काल 02.51 से 04.23 बजे तक		
काल 04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ 04.23 से 05.56 बजे तक		
घौषिङ्गया शृण्खला- शृण्खला श्रेष्ठ शृण् खला, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्ग्रह,			



## बेर के सेवन से पाएं कई सेहत समस्याओं से निजात

'बेर' खास और खट्टा-मीठा फल है। यह फल खाने में जितना अच्छा लाता है, इसके काफ़ियदे भी उतने ही होते हैं। यदि आप ठंडे में बेर का सेवन करते हैं तो इस मौसम के लिए बाली सेहत समस्या और अन्य कई समस्याओं से निजात भी पा सकते हैं। आइए, जानते हैं बेर फल का खाने से मिलने वाले काफ़ियदे—

- यदि आपको त्वचा पर कट लगा हो या धूप हो जाए तो आप बेर का गुदा प्रियंकर धूप पर लगा लें। इसका दूधने में घास का बेर का सेवन खुशी और थकान को दूधने में मदद करता है।
- बेर की पांचवां में कैटिशियम, काफ़ारोरस, मैनीशियम, पैटेशियम, सोडियम, कल्चरेन, प्रबूर मात्रा में होता है। यदि आप बेर और नीम के पत्ते पीसकर सिर में लगाए तो इससे सिर के बाल गिरने कम होते हैं।
- बेर का जूस पीने से बुखार और फेफड़े संबंधी रोग ठीक होते हैं।
- बेर पर नमक और काली मिर्च लगाकर खाने से अपच की समस्या दूर होती है।
- सुखे हुए बेर खाने से कठन और पेट संबंधित परेशानियां दूर होती हैं।
- अगर आप बेर को छाक के साथ लेंगे तो इससे घबराहट, उल्टी आना और पेट दर्द से राहत मिलती है।
- नियमित बेर खाने से अस्थम के रोगियों को भी आराम मिलता है। साथ ही आग किसी की मसूड़ी में घाव हो गया हो तो वह भी जल्दी भर जाता है।



गुड़ एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जो आपको घर की रसोई में ही बड़ी आसानी से मिल जाएगा। इसका सेवन अगर अलग-अलग रूपों से किया जाए तो यह हमारी सेहत को नीचे बढ़ाता है जा रही बीमारियों की चपेट में आने से बचाए।

### गुड़ के फायदे

रात में सोने से पहले गर्म पानी के साथ करें गुड़ का सेवन, इन जानलेवा बीमारियों का खतरा हो जाएगा कम सेहतमद बने रहने के लिए हमें कई प्रकार के खाद्य पदार्थों का सेवन नियमित पानी से कीरण चाहिए। गुड़ का सेवन रात हमें अक्सर किसी मिठे पदार्थ को खाने की सलाह दी जाती है ताकि पाचन क्रिया में आसानी हो। इन खाद्य पदार्थों में गुड़ की भी नाम शामिल हो जाएगा। आपको पर्सी घरों में बड़ी आसानी से मिल जाता है। नियमित प्रकार के पदार्थों को खाने में भी गुड़ का इस्तेमाल किया जाता है। इसका अलग-अलग रूप से सेवन करें तो यह हमारी सेहत के लिए काफ़ियद होता है और यह सेवन से हमें आपको गुड़ का सेवन करने से होने वाले विशेष फायदों के बारे में बताया जाएगा ताकि आप भी अपनी दिनरात्रि में इसको शामिल करके सेहतमद बने रहें।

### जजन घटाने में

जजन घटाने के लिए मुख्य रूप से गुड़ के पानी का सेवन करने की सलाह दी जाती है। कई मशहूर डायटिशियन भी सुझाव देते हैं कि जिन लोगों को मोटापे की समस्या है, उन्हें नियमित रूप से गुड़ के पानी का सेवन करना चाहिए। इससे जिन को कम करने में प्रभावी रूप से असर दिखाई पड़ती है।

### पाचन क्रिया को ठीक करने के लिए

पाचन क्रिया को अगर श्वेती और फिर रखने में मदद करते हैं। टमाटर सूप पीने से सेहत को मिलने वाले गजर के फायदे—

### हड्डियों के लिए फायदेमंद

टमाटर सूप में विटामिन C और केलियम एवं डिश का अहम हिस्सा होता है।

कच्चे टमाटर के अलावा उनका सूप भी बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है। आमतौर पर खाने से पहले स्टार्टर के तौर पर लिए जाने वाले टमाटर सूप में विटामिन A, E, C, K और एंटी-

ऑक्सीडेंस होते हैं। जो आपको हेल्पी और फिर रखने में मदद करते हैं।

टमाटर सूप पीने से सेहत को मिलने वाले गजर के फायदे—

### टमाटर सूप में भरपूर मात्रा में कॉर्न और पोटेशियम पाया जाता है,

जिससे नर्सिंसिस्टम ठीक होता है और दिमाग को जम्बूली मिलती है।

### विटामिन की कमी करे पूरी

टमाटर सूप में विटामिन A और C अच्छी मात्रा में होता है। विटामिन इंट्रियम के लिए जल्दी होता है। कहते हैं कि शरीर में रोजाना 16% विटामिन A और 20% विटामिन C की जरूरत होती है और टमाटर सूप इसकी जरूरत को पूरा करता है।

### वजन करे कम

टमाटर सूप को अगर ऑलिव औलून से बनाया जाए तो यह वजन घटाने में सहायता होती है, क्योंकि इसमें पानी और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे आपको काफ़ियद समय तक भूख नहीं लगती।

### कैंसर का खतरा करे कम

टमाटर सूप में लाइकोपीन और कैरोटोनोइड जैसे एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं, जिससे कैंसर की आशका कम हो जाती है।

### ब्लड शुगर को करे नियंत्रण

डायबिटीज के मरीजों को डाइट में टमाटर सूप जरूर लेना चाहिए। इसमें कॉर्नियम होता है, जो ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखने में सहायता होता है।

### रक्त प्रवाह को बढ़ाए

टमाटर में सेलेनियम होता है, जो रक्त प्रवाह को बढ़ाता है जिससे एनिमिया का खतरा कम हो जाता है।



### दाल के पोषक तत्व

दालों में सबसे पौष्टिक दाल, मूंग की होती है, इसमें विटामिन E, वी. सी. और इंकी भरपूर मात्रा होती है। साथ ही पोटेशियम, एयरन, कैल्चरस, काफ़ारब, पोटेशियम, फारांफोर्स, मैनीशियम, आरन, विटामिन बी-6, नियासिन, थायमिन और प्रोटीन होती है।

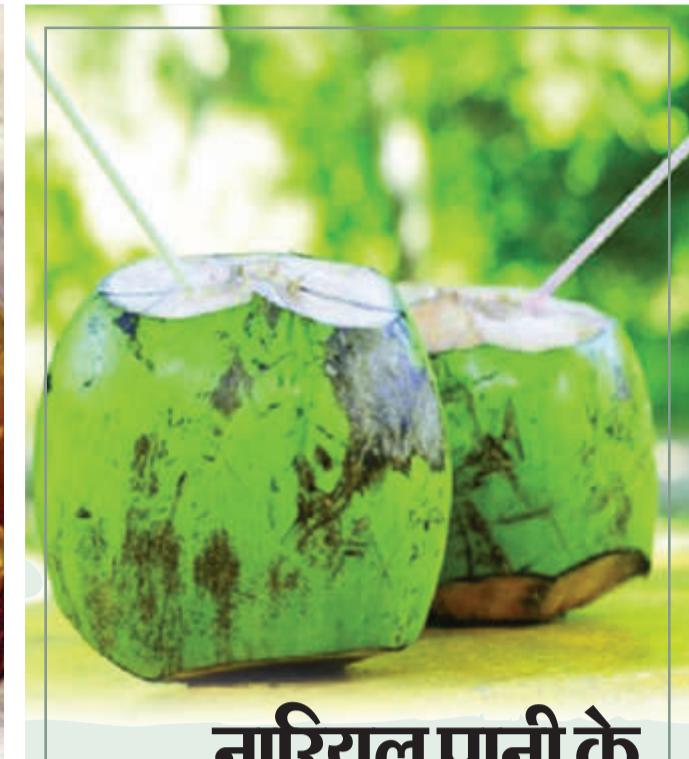
■ मूंग की दाल के स्प्राइट में ग्लूकोज लेल बहुत कम होता है। इससे वज़ह से मूंग रोगी इसे खा सकते हैं।

■ मूंग की दाल के स्प्राइट में आलीयासाक्षात्कार और कॉर्नियम होता है। जो पौष्टिक ग्लूटेनोल्ट्स से आता है। ये दोनों की घटक, गंभीर रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रबल करते हैं।

■ मूंग की दाल के स्प्राइट में आलीयासाक्षात्कार और कॉर्नियम होता है, जो शरीर को रोगी भी शिकायत आराम से बेहतर करता है।

### ऐसे बनाएं हेल्दी मूंग दाल का चीला

रात को मूंग दाल को एक पैन में पानी डालकर रख दें। इसके बाद सुबह इसके बारे में गर्म हो जाने में थोड़ा सा तेल डालकर मूंग दाल के पेट को डालकर अच्छी तरह से फैला दें। इसके बाद इसमें थोड़ी साथी डालकर दूसरी तरफ भी सेक दें। इसके बाद इसे जल्दी निकाल ले। आपका मूंग दाल की चीला बनकर रेत्यार है। इसे हरी या लाल चटनी के साथ गर्मगर्म से बेहतर करें।



## नारियल पानी के सेवन से मिलते हैं बेहतरीन सेहत लाभ

नारियल पानी अधिकतर लोगों को पसंद आता है। लेकिन ये सिर्फ द्वादिष्ट ही नहीं बल्कि सेहत के लिए जल्दी से भी काफ़ी फायदेमंद है। दूरअसल, इसमें शारीर के लिए फायदेमंद कई तरह के विटामिन्स, निनारलिस और इलेक्ट्रोलाइट पाए जाते हैं। जो आपको कई सेहत लाभ देते हैं। तो आइए जानते हैं नारियल पानी से क्या-क्या फायदे मिलते हैं।

- नारियल पानी का सेवन निवार के लिए काफ़ी फायदेमंद माना जाता है। नारियल पानी में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। जो नारियल पानी में कई तरह के विषाक्त पदार्थों की गतिविधि को कम करते हैं। इसका सेवन करना लिवर के लिए फायदेमंद है। इसके सेवन से गर्म पानी भी लाभकारी होता है।
- पेट के लिए नारियल पानी बेहद फायदेमंद है। इसके सेवन से पेट दर्द, रक्तस्राहन, अस्थम और थोड़ा-थोड़ा स्ट्राइक आराम मिलता है।
- ऊर्जावान रखने के लिए नारियल पानी की काफ़ी अच्छा होता है। इसके सेवन से क्षाम्जरी, थकान, चक्कर आप जैसी समस्याओं में इसका पीने से तकाल लाभ प्राप्त होता है।
- नारियल पानी हृदय सेवन का जारीकरण करने का काम करता है। इसके सेवन से खांब कालेट्रॉन कम होता है।
- वजन कम करना चाहते हैं, तो नारियल पानी में कम और पचाने में आसान होता है। इसमें गर्म पानी भी एसेंट एंटी-ऑक्सीडेंट के लिए उपयोग किया जाता है।
- वजन करने के लिए नारियल पानी भी बहुत मदद करता है। यह कैलोरी में कम और पचाने में आसान होता है। इसमें गर्म पानी भी एसेंट एंटी-ऑक्सीडेंट के लिए उपयोग किया जाता है।
- त्वचा में गलों और स्किन बिल्कुल विलन रखना चाहते हैं तो नारियल पानी आपको नियमित रूप से पीना चाहिए। यदि चेहरे पर मुँहोंसे और दाढ़ धब्बों की समस्या बढ़ गई है, तो नारियल पानी का सेवन आपकी सारी समस्या को दूर करेगा।



## इस आयुर्वेदिक चाय से मजबूत होगा इम्यून सिस्टम

अगर आपका प्रतिरोधक क्षमता में कमी आ गई है और आप बायर-बायर, खांसी, जूँझी, गुर्दा आदि विवर में एक तरह के लिए आपको इम्यूनिटी बढ़ावा देना चाहिए। यह विवर में एक तरह के लिए आपको इम्यूनिटी बढ़ावा देना चाहिए। तुलसी और अन्य मसालों से बनी





